हरिभूमि

नर्मदापुरम भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 3 मार्च 2026

नर्मदापुरम | इटारसी | पिपरिया | पचमढ़ी | सोहागपुर | सिवनी-मालवा | माखननगर | बनखेड़ी

04 मीथेन उत्पादन के लिए मार्च में शुरू होगा काम...

07 होली से पहले पुलिस की सख्त कार्रवाई इटारसी में...

कॉल डिटेल में लंबी बातचीत, मृतक अरुण पुर्विया के पास मैग्जीन वाली पिस्टल मिली

प्रेम-प्रसंग के शक में युवक ने युवती को मारी गोली, फिर खुद की भी ली जान

सोहागपुर ब्लॉक के ग्राम भटगांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने कथित रूप से पहले युवती को गोली मारी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

सोहागपुर के ग्राम भटगांव में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक युवक ने पहले युवती को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया और इसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में पुलिस प्रेम प्रसंग को घटना की संभावित वजह मान रही है। सोमवार सुबह ग्राम भटगांव निवासी सुरेश पुर्विया के मकान की छत पर दो शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।

सोहागपुर एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि ग्राम भटगांव निवासी सुरेश पुर्विया के मकान की छत पर सोमवार की सुबह 23 वर्षीय अरुण पुत्र गजेंद्र सिंह पुर्विया निवासी गोरा मछवाई थाना भारकच्छ जिला रायसेन तथा 21 वर्षीय रिंकी पुत्री सुरेश पुर्विया निवासी ग्राम भटगांव के शव मिले हैं। एसडीओपी ने बताया कि दोनों शव सबसे पहले पुर्विया की पुत्रवधू ने देखे। उन्होंने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद सुरेश पुर्विया ने सोहागपुर पुलिस को घटना की सूचना दी। सोहागपुर एसडीओपी संजू चौहान, टीआई उषा मरावी तथा पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच पड़ताल की तथा मृतक एवं मृतका के परिजनों से जानकारी भी ली है।

मर्ग कायमी कर जांच प्रारंभ

पुलिस ने मर्ग कायमी के साथ जांच प्रारंभ की है। मृतका रिंकी के परिजनों ने पुलिस को बताया कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात 12 बजे तक सभी जागे थे। तथा तब तक रिंकी से सभी ने बातचीत की है। उसके बाद सोमवार सुबह शव मिले हैं। अतः स्पष्ट है कि रविवार रात 12 बजे से सोमवार सुबह छह बजे के बीच घटना हुई है।

मैग्जीन वाली पिस्टल मिली

एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि घटनास्थल पर मृतक अरुण पुर्विया के पास मैग्जीन वाली पिस्टल मिली है। जिसमें तीन जीवित कारतूस मिले व कारतूस के दो खाली खोखे भी मिले हैं। एसडीओपी ने बताया कि मृतक अरुण की जेब से तलाशी दौरान एक जहरीले पदार्थ की शीशी भी मिली। जिससे अंदेशा है कि लड़का मरने मारने के इरादे से ही भटगांव आया था। लड़के व लड़की के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल्स में उन दोनों के बीच लंबे समय से बातचीत का खुलासा हुआ है। जिससे प्रेम प्रसंग की पूरी-पूरी संभावना है। पुलिस के अनुसार कुछ वर्ष पूर्व तक युवक व युवती सोहागपुर के अलग-अलग निजी स्कूलों में अध्यनरत भी रहे हैं। संभव है कि तभी से उनके बीच प्रेम प्रसंग रहा हो।

दांई कनपटियों पर मारी गोली

शोभापुर पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश चौहान, थाना प्रभारी उषा मरावी तथा एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि मृतक एवं मृतका दोनों की दांई कनपटियों पर गोली मारने के निशान मिले हैं। मृतक अरुण की कनपटी पर चलाई गई गोली आरपार हो गई है। जबकि मृतका रिंकी की दाईं कनपटी पर मारी गई गोली बांई कनपटी के बाहर अटकी थी। पुलिस द्वारा शव हिलाने पर यह गोली नीचे गिरी, जिसे जब्त किया गया है।

वन विभाग ने गश्ती में सागौन से भरी पिकअप जब्त की

पूर्व जपं सदस्य के नाम दर्ज वाहन से 50 हजार रुपए की सागौन पकड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

एक मार्च 2026 की रात वन परिक्षेत्रों बागड़ा बफर व कामती के कर्मचारियों द्वारा सघन गश्ती दौरान एक पिकअप वाहन पकड़ा गया है। जिसमें सागौन के 17 लट्ठे पकड़े गए हैं। मामले में वन विभाग द्वारा सोमवार को प्रेस नोट जारी किया गया है। जारी प्रेस नोट अनुसार सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम की क्षेत्र संचालक तथा उप संचालक के निर्देशानुसार वन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सभी परिक्षेत्रों में सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में परिक्षेत्रों बागड़ा बफर तथा कामती के कर्मचारियों द्वारा होली पर्व के मद्देनजर सामूहिक गश्ती एवं सर्चिंग कार्य सघन रूप से किया जा रहा है। गश्ती दौरान एक मार्च 2026 को ग्राम ढाबा से सेमरी हरचंद मार्ग पर वनग्राम खापा के पास एक महिन्द्रा पिकअप वाहन को जांच करने के लिये रोका गया। वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठा वाहन छोड़कर भाग गया। उक्त वाहन की जांच करने पर पाया गया कि वाहन में अवैध रूप से 17 नग सागौन लट्ठे रखे हुये थे। वन विभाग के अनुसार पिकअप वाहन को जप्तकर गांव के ही एक ट्रेक्टर से टोचन कर वनरक्षक निवास खापा केम्प लाया गया। जहां प्रकरण तैयार कर वाहन को राजसात करने की कार्यवाही जारी है। प्रारंभिक जांच में उक्त वाहन ग्राम मगरिया से सागौन लट्ठे लेकर आना पाया गया, जो सामान्य वनमंडल के अंतर्गत आता है।

पूर्व जपं सदस्य का वाहन

जप्त महिन्द्रा पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 05 जी 6388 पूर्व जनपद सदस्य रामस्वरूप धुर्वे निवासी मगरिया के नाम पर दर्ज है। जप्त वाहन में पाये गये 17 नग सागौन लट्ठों का अनुमानित बाजार मूल्य 50 हजार रूपये आंका गया है। जप्ती कार्यवाही में लक्ष्मीप्रसाद नागवंशी, नरपत सिंह अलावा कार्यवाहक वनपाल, शैलेन्द्र रघुवंशी, ललित सूर्यवंशी, रवि चन्द्रवंशी, हेमंत शाह धुर्वे वनरक्षक द्वारा विशेष भूमिका निभाई गई है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सातरास्ते पर जलाई गई गोकाष्ठ की होली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

नर्मदापुर युवा मंडल ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सोमवार शाम को दक्षिणेश्वरी माता महाकाली मंदिर सातरास्ते पर गौकाष्ठ से बनी जैविक होलिका जलाई। कार्यक्रम में गौबर और नरवाई से गोकाष्ठ तैयार करने वाले सुपरली के किसान योगेंद्रपाल सिंह सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित रहे। किसान योगेंद्रपाल प्रतिवर्ष गौकाष्ठ उपलब्ध कराते है। नर्मदापुर युवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल ने बताया कि नर्मदापुर युवा मंडल पिछले 15 वर्षों से लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए गोकाष्ठ की जैविक होली जलाने का कार्यक्रम करता आया है। कार्यक्रम से जुड़े मनीष परदेशी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस कार्यक्रम को अपनाते हुए गौकाष्ठ की होली जलाना अब प्रदेश में अनिवार्य किया था। सोमवार शाम को शहरवासियों के साथ मिलकर नरवाई और गोबर से बने गौकाष्ठ के डंडे की होली जलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर नागेंद्र तिवारी , हरि शर्मा , नंदकिशोर यादव, दीपक हेमनानी , उमेश यादव , हंस राय , विजय दिवोलिया,दीपक महाला आदि मौजूद रहे।

फाल्गुन पूर्णिमा महोत्सव

प्रति वर्ष परम्परागत रूप से सेठानीघाट पर फाल्गुन पूर्णिमा पर मां नर्मदा महाआरती के साथ होलिका दहन और फूलों की होली का भी रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाता है इसी तारतम्य में आगामी 3 मार्च , फाल्गुन पूर्णिमा को ग्रहण के मोक्ष के उपरांत सायंकाल 7 बजे से आस्था एवं विश्वास का उक्त कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा । जिसमें नगर के सभी श्रद्धालु शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित करेंगे ।

शहर में चार मोबाइल वाहन से रखेंगे नजर

इटारसी-होली एवं रमजान के पर्व को लेकर शहर में पूर्व की तरह शांति व्यवस्था बनी रहे,शहर के लोग शांति और बेहतर तरीके से होली का त्यौहार मनाये, इसको लेकर आज से टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने शहर में पुलिस गश्त को बड़ा दिया है। टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि आज से होली एवं रमजान के त्यौहार को लेकर शहर में चार मोबाइल वाहनों को चलाया जा रहा है। यह मोबाइल वाहन शहर के अलग अलग स्थानों पर आज शाम से होली के पर्व तक गश्त पर रहेंगे, इसके साथ ही शहर के नो स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। जिसमे दो पुलिस जवान स्थानों पर खड़े रहकर अपनी ड्यूटी करेंगे। नो स्थानों में सूरजगंज, स्टेंड बैंक चौराहा नीलम होटल के सामने,नाला मोहल्ला,ग्वाल बाबा, पुरानी इटारसी भाट मोहल्ला, खेड़ा, मालवीय गंज है। उन सभी स्थानों पर दो पुलिस जवानों को तैनात किया गया है।इसके साथ ही सबसे महत्वपूर्ण शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लिये अगर कोई भी शराब पीकर वाहन चलता मिला तो उसके खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी।ओवरब्रिज पर यातायात पुलिस खड़े रहकर ।शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की जायेगी।

पचमढ़ी में भीषण हादसा: ठेकेदारों के गोदाम में लगी आग को मानव श्रृंखला बनाकर बुझाई

हिल स्टेशन पर सालभर वीवीआईपी मूवमेंट रहता है बावजूद इसके एक फायर के भरोसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ पचमढ़ी

मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन और सतपुड़ा की रानी कहा जाने वाला पचमढ़ी इन दिनों एक गंभीर संकट से जूझ रहा है। ताज्जुब की बात यह है कि हजारों पर्यटकों की मेजबानी करने वाले और घने जंगलों से घिरे इस शहर की अग्नि सुरक्षा का जिम्मा महज एक दमकल वाहन के कंधों पर है। हिल स्टेशन पचमढ़ी के सुरक्षित माने जाने वाले छावनी क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक बड़ी खबर आई। यहां मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के ठेकेदारों के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि घंटों की मशक्कत के बाद भी प्रशासन और सेना को इसे काबू करने में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा

सुबह 5:30 बजे धधका गोदाम

घटना सुबह करीबन 5:30 बजे की है, जब स्थानीय लोगों और ड्यूटी पर तैनात जवानों ने गोदाम से ऊंची लपटें उठती देखीं। गोदाम में भारी मात्रा में लकड़ी का सामान और अन्य निर्माण सामग्री जमा थी, जिसने ईंधन का काम किया और देखते ही देखते पूरी इमारत आग के गोले में तब्दील हो गई। आग की सूचना मिलते ही पचमढ़ी आर्मी के जवान तुरंत मोर्चे पर तैनात हो गए। अग्निशमन यंत्रों के साथ-साथ सेना के जवानों ने एक अद्भुत मिसाल पेश की। पानी की कमी न हो, इसके लिए जवानों ने 'मानव श्रृंखला बनाई और टैंकरों व बाल्टियों की मदद से लगातार आग पर प्रहार किया। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण की फायर ब्रिगेड की गाड़िया लगातार पानी की बौछार कर रही थीं। आग के पास की इमारतों में फैलने से रोकने के लिए प्रशासन ने सूझबूझ का परिचय दिया। गोदाम के एक हिस्से को जेसीबी की मदद से तोड़ दिया गया ताकि आग के आगे बढ़ने का रास्ता रुक सके। **निगरानी:** मौके पर सेना के उच्च अधिकारी और स्थानीय पुलिस बल मौजूद है, जो स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए थे। इस भीषण हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई है। गोदाम परिसर में रह रहे मजदूरों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। हालांकि, गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक होने का अनुमान है। वर्तमान में पचमढ़ी में एकमात्र फायर ब्रिगेड विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के पास उपलब्ध है। नियमानुसार, यदि शहर के किसी एक कोने में आगजनी की घटना होती है और उसी वक्त दूसरी जगह भी आपात स्थिति बन जाए, तो प्रशासन के पास कोई प्लान-बी नहीं है। घटना के बाद स्थानीय निवासियों और व्यापारियों में इस व्यवस्था को लेकर भारी नाराजगी है। **भौगोलिक स्थिति:** पचमढ़ी का रास्ता पथरीला और घुमावदार है, जिससे एक ही वाहन को घटना स्थल तक पहुंचने में समय लगता है।

फायर ब्रिगेड की मांग

छावनी परिषद के नामित सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय लेडवानी ने प्रशासन से सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की है। मुख्य अधिशासी अधिकारी को लिखे पत्र में उन्होंने बताया कि बीते 1 और 2 मार्च को क्षेत्र के गोदामों में हुई आगजनी पर काबू पाने के लिए परिषद के पास खुद के संसाधन उपलब्ध नहीं थे, जिसके कारण विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण की मदद लेनी पड़ी। संजय लेडवानी ने नगर की घनी आबादी और भविष्य के खतरों को देखते हुए छावनी परिषद पचमढ़ी द्वारा स्वयं का फायर ब्रिगेड वाहन खरीदने और महत्वपूर्ण स्थानों पर कम से कम 10 फायर फाइटिंग उपकरण (अग्निशामक यंत्र) उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

44 नमूने भेजे, जारी किए 7 कारोबारियों को नोटिस

नर्मदापुरम। होली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए सोमवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न तहसीलों में सघन जांच एवं कार्रवाई की गई। कार्रवाई का उद्देश्य आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। तहसील पिपरिया में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा बीकानेर मिष्ठान भंडार से मगद के लड्डू एवं मावा, सपना स्वीट्स से कलाकंद, राजस्थान स्वीट्स से रसगुल्ला तथा साहू बेकरी से कुकीज एवं नमकीन के नमूने लिए गए। इसी प्रकार तहसील सोहागपुर में न्यू बीकानेर मिष्ठान भंडार, श्री बीकानेर मिष्ठान भंडार एवं कमानी गेट स्थित मिठाई दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी आवश्यक निर्देश जारी किए गए। तहसील सिवनी मालवा में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा राजस्थान स्वीट्स, आसी आइसक्रीम एवं कंचन मावा से विभिन्न मिठाइयों के नमूने लिए गए। साथ ही चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर ही खाद्य पदार्थों की प्राथमिक जांच की गई। जिला प्रशासन के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक जिले में कुल 44 नमूने लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं। अनियमितता पाए जाने पर 7 खाद्य कारोबारियों को नोटिस भी जारी किए गए हैं।

फाल्गुन का रंगोत्सव चंद्र ग्रहण के कारण जिले में कल खेला जाएगा, पुलिस विभाग अलर्ट मोड पर, रख रही निगरानी

चंद्र ग्रहण: फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में आज ग्रहण का योग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र और सिंह राशि में आज खग्रास चंद्रग्रहण का योग बन रहा है। शास्त्रों के अनुसार पूर्णिमा तिथि पर लगने वाला चंद्रग्रहण विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। यह ग्रस्तोदित चंद्रग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से आरंभ होकर सायं 7 बजकर 2 मिनट पर मोक्ष को प्राप्त होगा। ग्रहण का स्पर्श सायं 6 बजकर 14 मिनट, मध्य 6 बजकर 39 मिनट तथा मोक्ष 7 बजकर 2 मिनट पर माना गया है।

सूतक काल का शास्त्रीय विधान

धर्मशास्त्रों में चंद्रग्रहण का सूतक तीन प्रहर पूर्व से मान्य बताया गया है। सामान्य रूप से सूतक सायं 6 बजकर 20 मिनट से प्रभावी रहेगा, किंतु बालक, वृद्ध और रोगी जनों के लिए यह प्रातः 9 बजकर 14 मिनट से ही मान्य माना जाएगा। शास्त्र मतानुसार सूतक काल में देवमूर्ति का स्पर्श वर्जित है। भोजन एवं शयन नहीं करना चाहिए। शुभ एवं मांगलिक कार्य स्थगित रखने चाहिए। अतः सूतक प्रारंभ होने से पूर्व भोजन ग्रहण कर लेना उचित बताया गया है।

ग्रहण काल में क्या करें

शास्त्रों में ग्रहण काल को साधना एवं जप-तप के लिए अत्यंत श्रेष्ठ बताया गया है। इस समय किया गया जप अनेक गुना फलदायी माना गया है। ग्रहण काल में ॐ सौम सोमाय नमः,ॐ नमः शिवाय,ॐ चं चंद्राय नमः का जाप करना चाहिए।

आचार्य हरिओम मिश्रा ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चंद्रमा मन का कारक है। ग्रहण काल में चंद्रमा पर केतु का प्रभाव माना जाता है, अतः इस समय मंत्रजप, हवन एवं ध्यान करने से मानसिक अशांति के दोष शांत होते हैं और शुभ फल की प्राप्ति होती है। ग्रहण मोक्ष के बाद स्नान कर शुद्ध वस्त्र धारण करें। देवपूजन करें एवं घर की शुद्धि करें। दरिद्र नारायण की सेवा तथा दान-पुण्य करना विशेष फलदायी माना गया है। शास्त्रों के अनुसार ग्रहण केवल खगोलीय घटना ही नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और साधना का विशेष अवसर भी है।

फागुन का रंगोत्सव : प्रकृति और जीवन का इंद्रधनुष

जब प्रकृति ऋतु परिवर्तन का विविधवर्णी उत्सव मनाती है, तब धरती मानो नववधू की भाति सुसज्जित हो उठती है। पलाश की अग्निमय आभा, गेंदा और गुलाब की सुवासित छटा, गुलमोहर की दहकती लालिमा और खेतों में दूर-दूर तक लहराती पीली सरसों, सब मिलकर धरा का अनुपम श्रृंगार करते हैं। आकाश से झरती धूप की सुनहरी किरणें मानो रंगों से भरी पिचकारी बन जाती हैं और शीतल बयार अपने कोमल स्पर्श से समस्त सृष्टि को मदमस्त कर देती है।

जीवन के विविध रंगों का संदेश

होली केवल बाहरी रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन के गूढ़ दर्शन का प्रतीक है। हमारा जीवन भी तो अनेक भावों और अनुभवों के रंगों से निर्मित है। इन्हीं विविधताओं के संगम से जीवन इंद्रधनुषी बनता है। यदि कोई एक रंग न हो, तो चित्र अधूरा रह जाए। इसलिए होली हमें सिखाती है कि जीवन के हर रंग को स्वीकारें, उसे उत्सव की तरह जिए और अपने भीतर के फागुन को कभी मुरझाने न दें। फागुन का यह रंगोत्सव हमें स्मरण कराता है जिले में आज ग्रहण के कारण कल धरेंडी का पर्व मनाया जाएगा।

भीड़ के रंग से बस-ट्रेनों का फूला दम, यात्री होते रहे परेशान

होली का पर्व मनाने जाने वालों की भीड़ के कारण सोमवार को बसों और ट्रेनों का दम फूला रहा। घर जाने की जल्दी में यात्रियों की भीड़ बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर पहुंची। ऐसे में सड़क और रेल परिवहन सेवा यात्रियों से फुल नजर आई।

खबर संक्षेप

पानसे बने किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावडा ने किसान मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा कर दी है। घोषित किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति में बैतूल जिले से पूर्व जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अशोक पानसे को प्रदेश मंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है। जिला मीडिया सेंटर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में अशोक पानसे का जिला पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पहार एवं मिठाई खिलाकर स्वागत कर बधाई दी एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार प्रेषित किया है। इस अवसर जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार, विधायक गंगा उइके, जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र मालवीय, जिला महामंत्री महेन्द्रसिंह चौहान सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन के सामने आया युवक, मौत

बैतूल। मलकापुर रेलवे स्टेशन पर बीती रात एक अज्ञात युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना उस समय हुई जब मदुरै-कानपुर सेंट्रल स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 01928) स्टेशन से गुजर रही थी। ट्रेन चालक के मुताबिक युवक अचानक पटरी पर आ गया, जिससे वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के पास किलोमीटर 858/3 से 858/1 के बीच हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। मृतक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। मृतक ने काले रंग की हाफ शर्ट और नीली जींस पहन रखी थी। उसके बाएं हाथ पर अंग्रेजी में एमएस अक्षर गुदा हुआ है। दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में पीले रंग की अंगूठी भी मिली है। इन निशानों के आधार पर पुलिस उसकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल शव जिला अस्पताल की मर्चरी में रखा गया है। आसपास के थानों से गुमशुदा युवकों की जानकारी जुटाई जा रही है। स्थानीय पुलिस भी मृतक के परिजनों की तलाश में लगी हुई है।

युवा संगम के तहत रोजगार मेला 11 मार्च को

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप रोजगार मेले का आयोजन 11 मार्च को प्रातः 11 से 4 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सदर बैतूल में किया जाएगा।

विश्व श्रवण दिवस 6 मार्च को

बैतूल। राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत 6 मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि विश्व श्रवण दिवस का उद्देश्य बहरेपन एवं सुनने की क्षमता में कमी के बारे में जागरूकता बढाने, कान और श्रवण संबंधित देखभाल को बढावा देने के लिए मनाया जाता है।

4 मार्च को जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाएं रहेंगी खुली

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि आगामी होली पर्व के अवसर पर शासकीय अवकाश 4 मार्च 2026 को जिले की सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थाएं सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खुली रहेंगी। इस दौरान ओ.पी.डी. चालू रहेगी और सभी निर्धारित स्टाफ को अस्पताल में मरीजों के इलाज और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए उपस्थित रहना होगा। सीएमएचओ डॉ. हुरमाड़े ने कहा कि यह व्यवस्था अवकाश के दिनों में भी आकस्मिक चिकित्सा सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। ताकि कोई भी मरीज इलाज से वंचित न रहे।

शाहपुर व घोड़ाडोंगरी तहसील में 37.313 हेक्टेयर में होगा प्रोजेक्ट का संचालन

मीथेन उत्पादन के लिए मार्च में शुरू होगा काम, मिलेगी बड़ी सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

जिले के घोडाडोंगरी और शाहपुर क्षेत्र में संभवत: मार्च माह से मीथेन गैस का उत्पादन शुरू हो सकता है। यहां इन्वेनायर पेटोडायन कंपनी नोएडा ने 1771 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन लाइसेंस लेकर सर्वे किया था।

सर्वे में 5 जगहों से 37 हजार 313 हेक्टेयर में बेहद अच्छी क्वालिटी की ज्वलनशील और शुद्ध मीथेन का भंडारण मिला है। इन दोनों तहसीलों में कोल बेड मीथेन प्रोजेक्ट का जिस कंपनी को लाइसेंस जारी हुआ है, वह संभवतः मार्च महीने से काम शुरू कर सकती है। इस प्रोजेक्ट का काम शुरू होने से जहां क्षेत्र के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा, वहीं क्षेत्र के कारोबार में भी खासा इजाफा हो सकेगा। गौरतलब है कि शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी तहसील में 37.313 हेक्टेयर क्षेत्र में इस परियोजना का संचालन होगा। सर्वे में इस क्षेत्र में मीथेन गैस के भंडार होने की पुष्टि हुई थी। क्षेत्र के गुवाड़ी, सातलदेशी, बटकीडोह सहित करीब आधा दर्जन पॉइंट चिन्हित किए गए हैं जहां मीथेन गैस प्रचुर मात्रा में है। इसके लिए इन दोनों तहसीलों में 5 खनि रियायतें स्वीकृत हैं। मीथेन उत्पादन के लिए भोपाल में 17 और 18 अक्टूबर 2024 को आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में 5 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिला था। इसके लिए नोएडा की कंपनी मेसर्स इन्विनावर पेटोडाइन को लाइसेंस जारी किया गया है। यह लाइसेंस पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन के लिए जारी किया गया है।

जनवरी में शुरू होने वाला था काम, अब मार्च में होगा शुरू

बैतूल में जो मीथेन गैस जमीन में दबी है, उसे निकालने जनवरी से काम शुरू होने वाला था, लेकिन किन्हीं कारणों की वजह से यह काम शुरू नहीं हो पाया। इस संबंध में खनिज विभाग के अधिकारियों ने कंपनी से चर्चा की तो उन्होंने मार्च में काम शुरू करने की बात कही हँ। बता दे कि सर्वे में 5 जगहों से 37 हजार 313 हेक्टेयर में बेहद अच्छी क्वालिटी की ज्वलनशील और शुद्ध मीथेन का भंडारण मिला है। इस गैस को निकालने के लिए 5 जगह पर खुदाई की जाएगी। मीथेन बैतूल के कोसमी औद्योगिक क्षेत्र, मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र, देवास और इंदौर के औद्योगिक क्षेत्रों में तो जाएगी ही, साथ ही बैतूल में घरों में भी इसकी सप्लाई की अलग से छोटी पाइप लाइन बिछाने की योजना भी बनाई है।

बनाए जाएंगे पांच गैस गैदरिंग स्टेशन

घोडाडोंगरी और शाहपुर में पांच गैस गैदरिंग स्टेशन और 22 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाने के लिए काम होगा। कंपनी ने सर्वे पूरा कर पाइप लाइन का रूट बना लिया है, अब मार्च से गैस गैदरिंग प्लांट लगाएगी। इसके बाद पहले से बिछी एलपीजी की पाइप लाइनों को तलाशकर और नई पाइप लाइनें बिछाकर इन्हें इंडस्ट्रीज और घरों में ईंधन के रूप में पहुंचाने का नेटवर्क बनाया जाएगा। गैस गैदरिंग प्लांट से इसे पाइप लाइनों के जरिए प्रोसेसिंग आर कंप्रेसिंग करते हुए सीधे इस्तेमाल करने लायक बनाकर जरूरत वाली जगहों पर भेजा जाएगा। मीथेन गैस निकालने का काम मार्च से होना संभावित है। इससे डेवलपमेंट होगा और जिले का रेवेन्यू बढने के भी आसार है।

आधा दर्जन पाइंट चिन्हित, जहां प्रचूर मात्रा में मीथेन गैस

शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी तहसील में 37.313 हेक्टेयर क्षेत्र में इस परियोजना का संचालन होगा। सर्वे में इस क्षेत्र में मीथेन गैस के भंडार होने की पुष्टि हुई थी। क्षेत्र के गुवाड़ी, सातलदेशी, बटकीडोह सहित करीब आधा दर्जन पॉइंट चिन्हित किए गए हैं जहां मीथेन गैस प्रचुर मात्रा में है। इसके लिए इन दोनों तहसीलों में 5 खनि रियायतें स्वीकृत हैं। इन दोनों तहसीलों में कोल बेड मीथेन प्रोजेक्ट का जिस कंपनी को लाइसेंस जारी हुआ है, वह अगले महीने से काम शुरू कर सकती है। इस प्रोजेक्ट का काम शुरू होने से जहां क्षेत्र के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा, वहीं क्षेत्र के कारोबार में भी खासा इजाफा हो सकेगा।

युवाओं के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

कंपनी द्वारा काम शुरू किए जाने से युवाओं को रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा अन्य वस्तुओं की मांग भी बढ़ेगी, जिससे क्षेत्र का कारोबार काफी बढ़ेगा। खनिज विभाग के जरिए शासन को मिलने वाले राजस्व में सीधे तौर पर करीब पांच गुना वृद्धि होगी सकेगी। बताया जा रहा है कि वर्तमान में गौण खनिज के जरिए बैतूल जिले से शासन को लगभग 100 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो रहा है जो सीधे बढक़र लगभग 500 करोड़ तक पहुंच सकता है। मीथेन गैस के उत्पादन से जिले में अन्य उद्योगों के लिए भी मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। इस गैस का उपयोग पॉवर हाउस में लगे बड़े-बड़े टर्बाइनों को चलाने में किया जाता है। इसके अलावा रासायनिक रिएक्टरों, अनुसंधान केंद्रों और ईंधन के रूप में भी इस गैस की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। वाहनों के टायर बनाने वाली कंपनियां भी इसी गैस के आधार पर टायरों का उत्पादन करती हैं।

काम होगा शुरू

मीथेन प्रोजेक्ट के लिए कंपनी पहले जनवरी माह में काम शुरू करने वाली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से नहीं कर पाई। कंपनी के अधिकारियों से चर्चा हुई है और उनका कहना है कि वे मार्च महीने से काम शुरू कर देंगे।
मनीष पालेवार, उप संचालक, खनिज विभाग बैतूल

कर्मचारियों की सूझबूझ से टला हादसा

जिला अस्पताल परिसर के गार्डन में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

जिला अस्पताल परिसर के भीतर स्थित गार्डन में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से आग लगने की घटना सामने आई।

आग लगते ही अस्पताल परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन समय रहते अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह आग जिला अस्पताल के पुराने गेट के सामने महिला एवं बाल रोग इकाई के पास स्थित बन गार्डन में लगी। बताया जा रहा है कि संभवतः किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बीड़ी या सिगरेट पीने के बाद उसे गार्डन की ओर फेंक दिया गया, जिससे वहां पड़ी सूखी पत्तियों में आग लग गई। सूखी पत्तियों की अधिकता के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल के आरएमओ डॉक्टर रानू वर्मा और अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कर्मचारियों ने उपलब्ध संसाधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश की और साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही अस्पताल भवन को कोई नुकसान पहुंचा। यदि आग समय रहते नियंत्रित नहीं की जाती, तो अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों के लिए स्थिति गंभीर हो सकती थी। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ाने की बात कही है। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थानों पर बीड़ी-सिगरेट का प्रयोग न करें और जलती हुई वस्तुओं को इधर-उधर न फेंकें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

चन्द्रशेखर आजाद के स्मृति दिवस को किया याद

बैतूल। भीमराव रामराव अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय बैतूल में महान क्रांतिकारी देश भक्त चंद्रशेखर आजाद की स्मृति दिवस को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के संचालक इंजी. ध्रुवप्रकाश अग्रवाल की उपस्थिति में हुई। जिसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ऑनलाइन कार्यक्रम को बी.एड. स्टाफ एवं स्कालर्स ने देखा एवं चन्द्रशेखर आजाद स्मृति दिवस मनाया।

---

100 घर बनाकर देने का रखा लक्ष्य, यह कलयुग में सतयुग का आरंभः खंडेलवाल

खंडेलवाल ने अन्नपूर्णा मुहिम में बनाए मकान की सौंपी चाबी

बैतूल। आम आदमी का सपना सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान होता है जिसे संत रामपाल महाराज ने समझा और उनके सानिध्य में संचालित अन्नपूर्णा मुहिम के तहत जिले के ग्राम अमदर में एक जरूरतमंद परिवार को नया घर बनाकर दिया। यह घर कबीर परमेश्वर के सुदामा का महल के रूप में जाना जाएगा। संस्था ने ऐसे 100 घर जिले में बनाने का लक्ष्य रखा है। यह घर हेमंत वानखेड़े और उनके परिवार को सौंपा गया, जो लंबे समय से मानसिक बीमारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। हेमंत का उपचार पिछले सात-आठ महीनों से चल रहा था, लेकिन स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका। मानसिक बीमारी के कारण वे मजदूरी करने में असमर्थ थे, जिससे परिवार की सारी जिम्मेदारी उनकी पत्नी पर आ गई। पत्नी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। प्रतिभा जी के दो पुत्र हैं, जिनमें से बड़ा पुत्र मानसिक रूप से अस्वस्थ है, जबकि छोटा पुत्र गांव के सरकारी स्कूल में पढने जाता है। परिवार के पास पक्का मकान और स्थायी आय का कोई साधन नहीं था। परिवार की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। इनकी स्थिति का पता लगते ही संत रामपाल महाराज की अन्नपूर्णा मुहिम की टीम ने तत्परता से सर्वे किया व संत रामपाल महाराज के आदेश से तत्काल राशन सामग्री सहायता प्रदान की जो पिछले 5 माह से लगातार दी जा रही है और आजीवन दी जाएगी। इस अभियान के तहत परिवार को संत रामपाल महाराज के आदेश से दो कमरे, रसोई, स्नानघर, शौचालय और पानी की टंकी सहित पूर्ण सुविधाओं से युक्त घर तैयार किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष ने सौंपी लाभार्थी को नए घर की चाबी

नए घर की चाबी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के हाथों से परिवार को दिलाई गई। मानव समाज के लिए किए जा रहे ऐसे अनुपम कार्यों को हेमंत खंडेलवाल द्वारा कलयुग में सतयुग की शुरुआत बताया गया। इस मौके पर संत रामपाल महाराज की टीम सहित मंडल अध्यक्ष, ग्राम सरपंच,सचिव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन भी उपस्थित रहे और इस पुण्य कार्य की भूरी भूरी सराहना की। संत रामपाल महाराज की अन्नपूर्णा मुहिम से कलयुग में सतयुग की स्थापना हो रही है। इस मुहिम का उद्देश्य जरूरतमंदों को रोटी, कपड़ा, शिक्षा, चिकित्सा और मकान को मुहैया कराना है।

स्कूल छोड़ पानी लाने को मजबूर छोटे बच्चे

बूंद-बूंद पानी को मोहताज घोघाल के ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैंसदेही

जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत खामला के अंतर्गत आने वाले ग्राम घोघाल सहित अन्य ग्रामों में पानी को लेकर ग्रामीण परेशान है। यहां जल जीवन मिशन के ठेकेदारों की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

जनपद सदस्य श्रीमती सदल सावन्या हरसूले ने बताया कि ग्राम पंचायत खामला, कुकरू दोनों पंचायत में नलजल योजना है, लेकिन इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इसकी शिकायत जनपद सदस्य द्वारा पीएचई विभाग को भी की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। जनपद सदस्य का कहना है कि खामला पंचायत पर बिजली विभाग का लाखों बिजली बिल भी बकाया है। जिसकी सूचना एमपीईबी द्वारा सरपंच-सचिव को दी गई, लेकिन उन्होंने अभी तक बिजली बिल का भुगतान नहीं किया। सरपंच-सचिव फोन भी नहीं उठाते है। जिससे ग्रामीणों को उचित जानकारी नहीं मिली पाती है। इन ग्रामों के बिजली कनेक्शन भी काट दिये गये है। जिससे नलजल योजना बंद पड़ी है। ग्रामीण एक किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर है। ग्रामीण रस्सी के सहारे कुंए से पानी निकालते है। जिससे अनहोनी होने की भी आशंका बनी रहती है। इसके अलावा नदी-नालों से पानी लाने को मजबूर है।

बिना निर्माण राशि निकालने का लगाया आरोप

सरपंच-सचिव पर बिना निर्माण कार्य कराये राशि आहरण का भी आरोप लगाया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि सरपंच संजू अखंडे और प्रभारी सचिव योगेश पांडे पर कुल 10 लाख 7 हजार रूपये की वसूली बकाया है। इस राशि की रिकवरी के लिए 18 अगस्त 2025 से पेशी चालू है। इसके अलावा जब भी किसी कार्य को लेकर सरपंच-सचिव को फोन लगाते है तो वह फोन नहीं उठाते है। इससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कोई भी दस्तावेज बनवाने के लिए सरपंच-सचिव को फोन लगाते है तो वह ग्रामीणों का फोन देखकर ही काट देते है या फिर फोन नहीं उठाते है। जिसकी वजह से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बिल जमा नहीं है

ग्राम पंचायत खामला में पेयजल ट्यूबवेल की बिजली विभाग द्वारा कनेक्शन काटे गये है। सरपंच-सचिव को जल्द ही बिल जमा करवाने के लिए कहा गया है। रही बात रिकवरी की तो, जिला पंचायत में प्रकरण चल रहा है। जल्द ही रिकवरी की जायेगी।
- **रितेश चौहान**, सीईओ, जनपद पंचायत भैंसदेही

विद्युत वितरण क्षेत्र भैंसदेही के अंतर्गत आने वाली प्रायः सभी पंचायतों में बिजली बिल बकाया है। साथ ही कनेक्शन काटने का कार्य भी जारी है। बिल जमा होने पर कनेक्शन जोड़ दिया जायेगा।
- **भरत पंद्राम**, एई, मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भैंसदेही

जिलेभर में अधिकांश जगहों पर हुआ होली दहन

चंद्रग्रहण के कारण कल मनेगी धुरेंडी, पर्व को लेकर बच्चों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैतूल

इस साल होली तिथि और ग्रहण की गणना में उलझ गई है। रंगोत्सव को लेकर संशय बना हुआ है। यहीं वजह है कि जिले में सोमवार को कई स्थानों पर होलिका दहन किया गया। जिले भर में करीब 200 से अधिक स्थानों पर होली दहन हुआ। इसमें 50 से ज्यादा जगह पर कंडों से होली दहन की गई, वहीं धुलेंडी पर्व को लेकर पुलिस ने तैयारी पुरी कर ली है।

इस साल होली पर्व पर चंद्रग्रहण होने के कारण धरेंडी 4 मार्च को मनाई जोयगी। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित सतीश दुबे ने बताया कि इस वर्ष फाल्गुन पूर्णिमा तिथि 2 मार्च सोमवार की शाम से प्रारंभ हो जाएगी। शास्त्रीय गणना के आधार पर इसी दिन संध्या के समय होलिका दहन का शुभ मुहूर्त है। भद्रा काल से बचते हुए 2 मार्च की शाम को होलिका दहन किया गया। 3 मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण रहेगा, जो भारत में दिखाई देगा। ग्रहण दोपहर बाद से प्रारंभ होकर शाम तक रहेगा। ग्रहण के कारण सूतक काल प्रभावी रहेगा, जिसमें धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-पाठ, मांगलिक कार्य और उत्सव संबंधी कार्यक्रम वर्जित माने जाते हैं। इसी कारण 3 मार्च को रंगोत्सव न मनाते हुए 4 मार्च को धुरेंडी मनाई जायेगी। इस दिन ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं रहेगा और लोग निश्चिंत होकर रंगोत्सव मना सकेंगे।

होली दहन को लेकर शाम तक चली तैयारियां

जिले भर में रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाने के लिए युवाओं की टोलियों ने सोमवार शाम तक अपनी तैयारियां पूर्ण कर ली। जगह-जगह होली दहन के लिए होली की जमाई गई। शाम को महिलाओं ने होली का पूजन किया। हालांकि होली पर्व को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह और उमंग का माहौल बच्चों में देखा गया। होली पर्व को लेकर जगह-जगह रंग-गुलाल की दुकानें भी सजी रही। कई लोगों ने रविवार और कुछ लोगों ने सोमवार को होली के लिए खरीदी की। जिससे बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़ नजर आई। सबसे ज्यादा सूखे रंगों की बिक्री हुई। जिसके पीछे लोगों की मंशा सूखे रंगों से होली खेलकर पानी बचाने का संकल्प था।

बच्चों के लिए उपलब्ध रही एक से बढकर एक पिचकारियां

बाजार में बच्चों के लिए तरह-तरह की पिचकारी की दुकानें लगी रही। 2 मार्च को होली दहन और 4 को धुलेंडी की लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी। पर्व को रंगों की यादें चढ़ाने के लिए बाजार में हर्बल रंग, विशेष रूप से उपलब्ध रहे। इस वर्ष विशेष रूप से खुशबूदार हर्बल गुलाब बाजार में उपलब्ध रहा। बाजार में बच्चों के लिए 20 रुपए से लेकर 800 रुपए तक की पिचकारी बिकने के लिए आई थी। रंगों के इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में उत्सुकता तो थी, ही साथ ही रसायनिक रंगों से परहेज करते भी नजर आए। जबकि साप्ताहिक बाजार में रंग और हर्बल कलर की एक से बढकर एक वैरायटी दुकानों में उपलब्ध थी।

पुलिस गश्त के साथ ड्रोन से से भी निगरानी की तैयारी

पुलिस ने पर्व पर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर तैयारी कर ली है। जिले में कई जगहों पर सोमवार को होलिका दहन के बाद 3 मार्च को ग्रहण के कारण 4 मार्च को धुलेंडी का पर्व मनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इससे पुलिस को तैयारी करने के लिए समय मिलेगा। होलिका दहन के लिए शहर के मुख्य बाजार में ऐसे स्थान चिन्हित कर लिए है, जहां से आवागमन ज्यादा होता है। यहां पुलिस बल तैनात रहेगा। धुलेंडी पर प्रमुख चौराहों पर गश्त के साथ शराब पीकर वाहन चलाने और हुड़दंग दंग करने वालों पर सख्ती होगी।

परीक्षार्थी रहे पर्व से दूर

बोर्ड एवं स्थानीय परीक्षाएं आयोजित होने से परीक्षार्थी इस बार होली निर्माण एवं होली दहन से वंचित रहे। उन्हें साल भर होली का त्योहार खलता रहेगा। कक्षा 12वीं के छात्र अलोक ने बताया कि हमारी परीक्षाओं के चलते हम होली के त्योहार में शामिल नहीं हो सके। इसी प्रकार मनीष विश्वकर्मा ने कहा कि इस बार हम होली उत्सव से दूर ही रहेगे, क्योंकि परीक्षाएं चल रही है। परीक्षा और पेपर की तैयारियों के कारण विद्यार्थियों ने होली निर्माण और होली दहन से दूरी बनकर रखी।

खबर संक्षेप

होली से पहले बड़ों को बक्शा, छोटों पर की कार्रवाई

नर्मदापुरम। वर्षभर में पड़ने वाले होली जैसे त्यौहार पर नगरीय प्रशासन की दोहरी भूमिका देखने को मिली। सड़क किनारे दुकान लगाकर अपने परिवार का गुजारा करने वाले छोटे व्यापारियों पर नपा ने सोमवार को शिकंजा कसा और उनके सामान तक जब्त किए। जबकि बड़े व्यापारी जो सड़कों पर दुकान सजा लेते जिससे जाम की स्थिति बनती है उन्हें बक्स दिया गया। हालांकि हूटर लगाकर दिनभर तेज आवाज में सामान बेचने वाले व्यापारियों पर गाज गिरी। परीक्षाओं के दौरान तेज आवाज में ध्वनि प्रदूषण कर रहे थे उन व्यापारियों के हूटर जब्त किए गए। साथ ही उन्हें समझाइश की आप अपना व्यापार करिए लेकिन तेज आवाज में हूटर बजाकर आमजनों सहित विद्यार्थियों को परेशान मत करिए। इस दौरान सतरास्ते की दुकानों को हटाकर उन्हें व्यवस्थित किया गया।

सींग लड़ाते मवेशी रोक रहे वाहनों की रफ्तार

सोहागपुर। सोहागपुर में स्टेट हाईवे तथा अंदरूनी मार्गों पर मवेशियों को बड़ी संख्या में घूमते, लड़ते तथा वाहन चालकों को परेशान करते देखा जा सकता है। गत दिवस भी रेलवे स्टेशन रोड पर काफी देर तक मवेशी सींग लड़ाते रहे और वाहन चालक परेशान हुए। नागरिकों की मांग की है कि मवेशी गौशालाओं में पहुंचाए जाऐं।

समरसता युवा मंच ने बांटी सामग्री, माखन नगर में पुलिस का फ्लैग मार्च

होली से पहले पुलिस की सख्त कार्रवाई इटारसी में ढाबों पर रेड, अवैध शराब जब्त

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए इटारसी सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ सख्त अभियान चलाया है। डोलरिया रोड के दो ढाबों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब जब्त की गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इटारसी

इटारसी सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस रंगोत्सव के पहले होटलों और ढाबों पर शराब पीकर मस्ती करने वाले व शराबियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है। ऐसे में इनका संचालन करने वालों में भय व्याप्त है। हालांकि पुलिस से चोरी छुपे अवैध शराब की गतिविधियां दिन के साथ ही रात में जारी है। यानी पुलिस प्रशासन को आरोपी धता बना बता रहे है। इटारसी सहित आसपास के क्षेत्र में स्थित ढाबों पर दबिश दे रही है जिसके बाद पुलिस को बड़ी मात्रा में अवैध शराब मिल रही है।

दो ढाबों पर दी दबिश, भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

होली पर्व के मद्देनजर शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए इटारसी पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध अभियान चलाते हुए डोलरिया रोड स्थित दो प्रसिद्ध ढाबों पर छापामार कार्रवाई की। इस दौरान भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई और दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

नैवेद्यम और द ब्रदर्स ढाबा रेड

पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर डोलरिया रोड स्थित नैवेद्यम ढाबा और द ब्रदर्स ढाबा पर अचानक दबिश दी। तलाशी के दौरान पुलिस को वहां से भारी मात्रा में देसी-विदेशी शराब और बियर मिली। पुलिस ने कुल 22.250 लीटर शराब जब्त की है। जब्त की गई शराब की कुल कीमत लगभग 7,690/- रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस अवैध गतिविधियों में संलिप्त दो आरोपियों अर्जुन पाटनकर 30 वर्ष, निवासी नाला मोहल्ला, इटारसी और करन ठाकुर 28 वर्ष, निवासी माली मोहल्ला, मेहरा गांव के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

समरसता युवा मंच ने मनाया समरसता का पर्व होली

जरूरतमंदों के बीच वितरित की सामग्री

समरसता के पावन पर्व होली के अवसर पर समरसता युवा मंच द्वारा आज शहर के विभिन्न स्थानों पर सेवा एवं सद्भावना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। *युवा मंच के अध्यक्ष एवं सभापति मनजीत कलोशिया* ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था के साथियों ने मिलकर जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों के बीच पिचकारी, गुलाल, गुब्बारे एवं अन्य होली सामग्री का वितरण किया। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का अवसर है। संस्था का उद्देश्य है कि समाज का हर वर्ग इस उत्सव की खुशियों में सहभागी बने। कार्यक्रम में युवा मंच के सदस्य करण वर्गले, रोहित साल्वे, शैलेंद्र सिंह गौहर,कुशल चावरे, कृष्णा दुबे ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी को सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण होली मनाने का संदेश दिया।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

माखन नगर। होली का त्यौहार शहर में शांति सौहार्दपूर्ण से मनाया जाए पुलिस प्रशासन ने नगर के मुख्य मार्ग से फ्लैग मार्च निकाला जिसमें एसडीओपी संजू चौहान, नायब तहसीलदार अंकित मौर्य, टीआई अनूप उइके, माखन नगर थाने का पुलिस बल शामिल रहा। होलिका दहन जहां होना है उन स्थानों पर पहुंच कर समिति के लोगों से होली का त्यौहार शांति सौहार्दपूर्ण से मनाए जाने के लिए चर्चा की।

माखननगर में वित्तीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

साइबर ठगी से बचने के लिए सावधानी ही सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ माखननगर

आरबीआई के डीईए कार्यक्रम में ग्रामीणों को आधुनिक बैंकिंग सेवाओं और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से माखननगर में एक दिवसीय वित्तीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। आरबीआई के डीईए कार्यक्रम के अंतर्गत इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हरिप्रसाद बरेले ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस अवसर पर राजू रायकवार एवं एवं जनपद पंचायत के अधिकारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। रिसोर्स पर्सन केएम दुबे ने निवेश, बचत के तथ्य जमाकर्ताओं को रोचक तरीके से समझाये। उन्होंने बैंक की बीमा योजनाओं की जानकारी भी दी। आयोजित इस कार्यशाला में बसंत श्रीवास्तव ने ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग और केवाईसी की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि बैंकिंग सेवाओं का निरंतर लाभ उठाने के लिए केवाईसी अपडेट रखना अनिवार्य है। अनिल कुमार साहू ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से समझाया गया। सुनील पाहुरकर ने आरडी तथा एफडी तथा नॉमिनेशन की जानकारी दी । शुभम उईके एवं निखिल कुमार ने पपेट शो के माध्यम से जागरूक किया। इस कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत माखन नगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पंचायत सचिव, सहायत सचिव तथा स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने बैंकिंग से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान किया।

विश्व श्रवण दिवस की तैयारियों के संबंध में बैठक संपन्न

नर्मदापुरम। सोमवार को कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, सामाजिक एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से जिला स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित करें।

सरकारी नहर में राइस मिल का गंदा पानी

सिंचाई ठप फिर भी किसानों से वसूली जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

जनपद पंचायत क्षेत्र की खापरखेड़ा ग्राम पंचायत में बड़ी नहर में स्थित राज राइस मिल से निकलने वाला गंदा पानी लगातार नहर में मिल रहा है। इससे नहर का पानी प्रदूषित हो रहा है और किसानों को सिंचाई में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है।क्षेत्र की कई उपनहरों-झालौन, उपनहर 1 एवं 2, धनाश्री, सोजनी, पुरैना माछा सहित लगभग 17 माइनर नहरों-में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। सेमरी, माथनी, पचलाबरा, सांडिया, सोजनी, सिवनी, सहलबाड़ा और ऊटिया समेत करीब 125 गांवों की कृषि भूमि प्रभावित बताई जा रही है। किसानों का कहना है कि नहरें बंद हैं, फिर भी सिंचाई शुल्क की वसूली के लिए लगातार नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

किसानों ने बताया कि कई लोगों ने निजी नलकूप लगवा रखे हैं और नहर का पानी नहीं मिल रहा है, इसके बावजूद उन पर भुगतान का दबाव बनाया जा रहा है।इस संबंध में सोहागपुर नहर संभाग के अनुविभागीय अधिकारी अजय सिंह ने बताया कि राइस मिल संचालक को नोटिस जारी किया गया है और जांच टीम भी मौके पर भेजी गई थी। मिल संचालक ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन नहरों में पानी नहीं जा रहा है, वहां किसानों ने पानी लेना बंद कर दिया है, इसलिए नहरें बंद हैं। शासन के गजट प्रावधान के अनुसार, नहर से जुड़े किसानों को नलकूप होने की स्थिति में भी सिंचाई शुल्क जमा करना होगा।

गुरुदेव शिक्षा एवं समाज सेवा समिति माखननगर ने की नर्सरी की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ माखननगर

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् नर्मदापुरम की कार्ययोजना अनुसार प्रत्येक विकास खंड के प्रत्येक सेक्टर में नवांकुर नर्सरी रोपणी की स्थापना की जाना हैं। उसी क्रम में माखननगर विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 04 में नवांकुर संस्था गुरुदेव शिक्षा एवं समाज सेवा समिति माखननगर द्वारा संस्था प्रमुख नीतिराजसिंह यादव के मार्गदर्शन में ग्राम गूजरवाड़ा में 800 बीज रोपित कर नर्सरी नवांकुर रोपणी की स्थापना तैयारी की गई । जिससे वर्तमान में 800 बीज रोपित किए गये। जिसे 2000 से 5000 पौधो तक ले जाया जायेगाऔर प्रतिवर्षानुसार वर्षा के समय अभियान के तहत वृक्षारोपण एवं वितरण किया जायेगा। इस आयोजन मे सभी प्रस्फुटन समिति सदस्यों को बीजो के संरक्षण का जिम्मा सोपा गया।

साथ ही सेक्टर के प्रस्फुटन समिति ग्रामों में हरियाली बढ़ाने का प्रयत्न किया जायेगा और प्रस्फुटन समिति सदस्यों ने इसमें अपनी ओर से 100 पौधे लगाने का विश्वास दिलाया। इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्था अध्यक्ष नीतिराज सिंह यादव, सचिव मनोज परसाई, कोषाध्यक्ष रामकृष्ण यादव, वीरेंद्र यादव मानागांव, सतीश यादव कोटगांव गेंदालाल यादव गूजरवाड़ा, शुभम, प्रदीप, चन्द्रमोहन, पूजा बीएसडब्ल्यू, संतोष मवासी, प्रदीप धुर्वे आदि उपस्थित रहे।

नपा द्वारा संचालित वृद्धाश्रम भवन जर्जर, मरम्मत की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिपरिया

पिपरिया पिपरिया नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित वृद्धाश्रम भवन की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। भवन के कई हिस्सों में प्लास्टर उखड़ चुका है, जिससे सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ गया है। मुख्य द्वार की छत का प्लास्टर गिर चुका है, वहीं कार्यालय कक्ष में खिड़कियों के ऊपर का प्लास्टर भी कई स्थानों से क्षतिग्रस्त पाया गया है। भवन में अन्य अनियमितताएं भी नजर आ रही हैं। आग बुझाने वाला यंत्र बाहर की खिड़की से तार के सहारे बांधा गया है, जो जंग लगने के कारण खराब स्थिति में है। सुरक्षा उपकरणों की इस तरह की अनदेखी गंभीर लापरवाही को दर्शाती है। अब तक इन कमियों को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।वृद्धाश्रम में वर्तमान में लगभग 24 महिला एवं पुरुष निवासी रह रहे हैं। यहां 3 कर्मचारी डिप्युटेशन पर तथा 2 अस्थायी कर्मचारी तैनात हैं, जिनमें एक महिला कर्मचारी भी शामिल हैं। इसके बावजूद भवन की मरम्मत और रखरखाव पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।निवासी निशा माहेश्वरी के अनुसार, आश्रम में मिलने वाले सूखे अनाज और अन्य सामग्री का विधिवत रजिस्टर में लेखा-जोखा रखा जाता है। समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर निवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जाता है। आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और सभी निवासी संतुष्ट हैं। वहीं अध्यक्ष नीना नवनीत नागपाल ने बताया कि मरम्मत कार्य, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। साथ ही नए भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा गया है। फिलहाल वृद्धाश्रम भवन की मरम्मत को प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

परशुराम जन्मोत्सव को लेकर बैठक में बनी कार्ययोजना

इटारसी। 18 अप्रैल को सर्वब्राह्मण समाज, जिला नर्मदापुरम विप्रों के आराध्य भगवान श्री परशुराम जी का प्राकट्योत्सव भव्यता के साथ मनाया। आयोजन की रूपरेखा तय करने कस्तूरबा नगर स्थित सामाजिक भवन में वार्ड स्तरीय बैठक हुई। बैठक में पांच दिवसीय आयोजन को सफल बनाने हेतु विभिन्न दायित्व सौंपे गए। युवाओं ने जनजागरण के लिए वाहन रैली और शोभायात्रा निकालने का उत्साह जताया। बैठक का संचालन परशुराम सेना के जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे ने किया और आभार सौम्य दुबे ने व्यक्त किया। बैठक में मुख्य रूप से नर्मदापुरम से पं. पीयूष शर्मा उपस्थित रहे। मार्गदर्शन हेतु वरिष्ठजन एवं पदाधिकारियों में नरेंद्र मिश्रा, रघुवंश पांडे, सुदर्शन दुबे, जिलाध्यक्ष जितेंद्र ओझा, प्रमोद पगारे, सुनील बाजपेयी, अशोक शर्मा, संतोष भारद्वाज, दिनेश उपाध्याय, परशुराम सेना से जिलाध्यक्ष प्रकाश दुबे, सत्येंद्र तिवारी, सौरभ शुक्ला, सूर्यप्रकाश मिश्रा और अरविंद व्यास, अनिल दुबे, विनोद दुबे, राजेंद्र दुबे, रामकुमार दुबे, श्यामसुंदर दुबे, आनंद मोहन दुबे, राम दुबे, सुनील दुबे, राकेश पांडे, विनय तिवारी, संदीप तिवारी, अक्षय तिवारी, राहुल दुबे, ऋषि परसाई, अनिरुद्ध दुबे, विकास पगारे, अभिषेक तिवारी, अभिषेक दुबे, रजत दुबे, नमन पांडे, अनुज दुबे, मनु दुबे, वैदिक तिवारी, ऋतुराज पाराशर एवं आदित्य तिवारी ने सहभागिता की।

द चैम्प्स फन स्कूल में हुआ रंगारंग होली उत्सव

नर्मदापुरम। रंग, उमंग और उत्साह से भरपूर वातावरण के बीच आज विद्यालय में होली का पर्व बड़े ही आनंदमय और सुरक्षित ढंग से मनाया गया। प्री-प्राइमरी एवं प्राइमरी के बच्चों ने पूरे जोश और उल्लास के साथ रंगोत्सव में भाग लिया। विद्यालय का प्रांगण बच्चों की हंसी, रंग-बिरंगे गुलाल और मधुर संगीत से गूंज उठा। पिछले तीन दिनों से प्रार्थना सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को होली के महत्व, होलिका दहन की कथा तथा बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश से अवगत कराया जा रहा था। आज भी विशेष रूप से बच्चों को प्राकृतिक रंगों के उपयोग, पानी की बचत और सुरक्षा के साथ होली खेलने की सीख दी गई।

ग्राम आमखेड़ी में 7 दिन चली भागवत कथा का समापन

भागवत कथा का हवन, यज्ञ और भंडारे साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ माखननगर

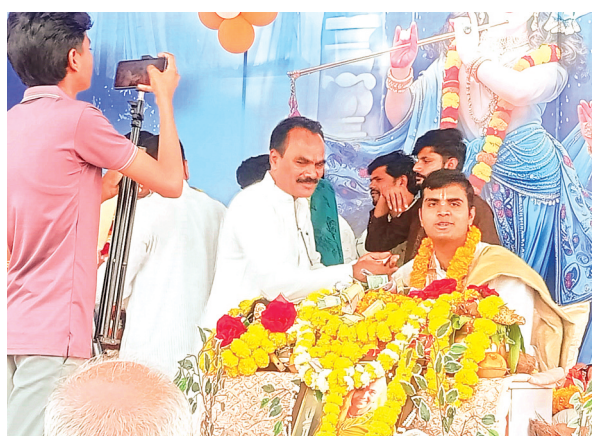

ग्राम आमखेड़ी में चल रही भागवत कथा शनिवार को संपन्न हो गई। कथा के समापन पर हवन यज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहले हवन यज्ञ में आहुति डाली और फिर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य कमाया। भागवत कथा का आयोजन घुनावत परिवार की ओर से करवाया गया था। कथा व्यास श्री सदभव तिवारी ने 7 दिन तक चली कथा में भक्तों को श्रीमद भागवत कथा की महिमा बताई। उन्होंने लोगों से भक्ति मार्ग से जुड़ने और सत्कर्म करने को कहा। अंतिम दिवस पर उन्होंने श्री कृष्ण एवं सुदामा की मित्रता का वर्णन करते हुए कहा कि जीवन में एक मित्र सुदामा जैसा दीन हो और मित्र कृष्ण जैसा दीनानाथ होना चाहिए उन्होंने कहा कि हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ-साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है। व्यक्ति में धार्मिक आस्था जागृत होती है। दुर्गुणों की बजाय सद्गुणों के द्वार खुलते हैं। यज्ञ से देवता प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता है। श्रीमद भागवत से जीव में भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं। इसके श्रवण मात्र से व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं। विचारों में बदलाव होने पर व्यक्ति के आचरण में भी स्वयं बदलाव हो जाता है। कथावाचक सदभव तिवारी ने भंडारे के प्रसाद का भी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि प्रसाद तीन अक्षर से मिलकर बना है। पहला प्र का अर्थ प्रभु, दूसरा सा का अर्थ साक्षात व तीसरा द का अर्थ होता है दर्शन। जिसे हम सब प्रसाद कहते हैं। हर कथा या अनुष्ठान का तत्वसार होता है जो मन बुद्धि व चित को निर्मल कर देता है।

मनुष्य शरीर भी भगवान का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ प्रसाद है। जीवन में प्रसाद का अपमान करने से भगवान का ही अपमान होता है। भगवान का लगाए गए भोग का बचा हुआ शेष भाग मनुष्यों के लिए प्रसाद बन जाता है। कथा समापन के दिन विधिविधान से पूजा करवाई। दोपहर तक हवन और भंडारा कराया गया। इसमें यजमान संतोष मीना ने अपने परिवार के साथ आहुति डाली। शहर से आए श्रद्धालुओं ने भी हवन में आहुति डाली। पूजन के बाद दोपहर को भंडारा लगाकर प्रसाद बांटा गया।

पचमढ़ी छावनी परिषद में फायर ब्रिगेड की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ पचमढ़ी

अधिवक्ता संजय लेडवानी ने मुख्य अधिशासी अधिकारी को लिखा पत्र

छावनी क्षेत्र के गोदामों में लगातार हो रही आगजनी की घटनाओं को देखते हुए छावनी परिषद के नामित सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता संजय लेडवानी ने प्रशासन से सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की है। मुख्य अधिशासी अधिकारी को लिखे पत्र में उन्होंने बताया कि बीते 1 और 2 मार्च को क्षेत्र के गोदामों में हुई आगजनी पर काबू पाने के लिए परिषद के पास खुद के संसाधन उपलब्ध नहीं थे, जिसके कारण विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण की मदद लेनी पड़ी। संजय लेडवानी ने नगर की घनी आबादी और भविष्य के खतरों को देखते हुए छावनी परिषद पचमढ़ी द्वारा स्वयं का फायर ब्रिगेड वाहन खरीदने और महत्वपूर्ण स्थानों पर कम से कम 10 फायर फाइटिंग उपकरण (अग्निशामक यंत्र) उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। उन्होंने इस मांग को जनहित में अति आवश्यक बताते हुए परिषद के अध्यक्ष से भी इस दिशा में उचित निर्देश जारी करने की अपील की है ताकि किसी भी बड़ी अनहोनी को समय रहते टाला जा सके।

धनगर समाज में मौत पर बर्तन पतासे बांटने की प्रथा बंद

सीहोर। होली पर धनगर गडरिया समाज ने सामाजिक सुधार का फैसला लिया। समाज ने मृत्यु के बाद होली पर बर्तन, पतासे, दूसरी सामग्री देने की कुप्रथा पूरी तरह बंद करने की घोषणा की।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं राकेश मांझी रैकवार पुत्र किशनलाल रैकवार, निवासी 159/1 सुभाषगंज वार्ड नं 8, 9 मकान नं 127-2 से 245-1 तक हरदोल मंदिर बालागंज शिव हरे गली, न्यू फौजदार गैरेज होशंगाबाद में निवास करता हूँ। यह कि मेरे दस्तावेजो में मेरा नाम राकेश मागी पुत्र किशनलाल मागी (Rakesh Magi s/o Kishan Lal Magi) दर्ज है तथा राकेश मागी रैकवार पुत्र किशन लाल मागी रैकवार(Rakesh magi Raikwar s/o kishan lal magi Raikwar)तथा राकेश कुमार मागी पुत्र किशनलाल मागी (Rakesh Kumar Magi s/o Kishan Lal Magi) राकेश कुमार माघी पुत्र किशनलाल माघी (Rakesh Kumar Maghi s/o Kishan La Maghi) दर्ज है जो कि सभी नाम मेरे ही है पर गलत दर्ज है। मेरा सही नाम राकेश मांझी रैकवार पुत्र किशनलाल रैकवार (RAKESH MANJHI RAIKWAR s/o KISHANLAL RAIKWAR) है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

भवदीय राकेश मांझी रैकवार पुत्र किशनलाल रैकवार
(RAKESH MANJHI RAIKWAR S/o KISHANLAL RAIKWAR)

खबर संक्षेप

कार्य दिवस की शुरुआत वंदेमातरम से की

हरदा। प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस की शुरूआत शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रगीत वंदेमातरम गायन के साथ होती है। सोमवार सुबह कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित कार्यालयों के अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान का गायन किया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रजनी वर्मा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद थे।

कैम्पस ड्राइव में 32 का प्रारंभिक चयन

हरदा। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में सोमवार को एक कम्पनी की कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभिरूचि सिंह ने बताया कि इस कैम्पस ड्राइव में सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल ब्रांच के करीब 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें से 32 विधार्थियो का प्रारंभिक चयन किया गया।

जिला अस्पताल में 6 को निशुल्क जांच शिविर

हरदा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि विश्व श्रवण दिवस के उपलक्ष्य में 6 मार्च को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक जिला अस्पताल में निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में जिनको कम सुनाई देता है, वे इस शिविर में आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। जांच के दौरान जिनको श्रवण यंत्र की पात्रता पाई जाएगी, ऐसे लोगों को सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से श्रवण यंत्र उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी की जाएगी।

ई-उपार्जन पोर्टल पर सरसों का पंजीयन प्रारंभ अंतिम तिथि 20 मार्च

सीहोर। शासन के निर्देशानुसार भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर 26 फरवरी से सरसों का पंजीयन प्रारंभ हो गया है, जो 20 मार्च तक चलेगा। सरसों का पंजीयन गेहूं, चना, मसूर पंजीयन की तरह ही किया जा रहा है। जिन किसानों ने सरसों की बुवाई की है वे अपना पंजीयन करा सकते हैं। किसान अपना पंजीयन निर्धारित लिंक पर जाकर मोबाइल या कम्प्यूटर के माध्यम से कर सकते हैं। इसके अलावा कार्यालयीन समय में ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय और सहकारी- विपणन समितियों द्वारा स्थापित सुविधा केन्द्रों, एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्रों, साइबर कैफे आदि पर पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के दौरान भू-स्वामियों के लिये भूमि संबंधी दस्तावेज, आधार कार्ड, आधार नम्बर से पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं अन्य फोटो पहचान पत्र ले जाना अनिवार्य है। इसी प्रकार सिकमी एवं वन पट्टाधारी किसान वनाधिकारी पट्टाधारी सिकमीदार को आधार कार्ड, आधार नम्बर से पंजीकृत मोबाइल नम्बर एवं वनपट्टा एवं सिकमी अनुबंध की प्रति ले जाना अनिवार्य है। किसानों से उपार्जित फसल का भुगतान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जाएगा, इसलिए किसान अपने आधार और बैंक खाते को मोबाइल नम्बर से लिंक कराकर रखें।

अतिकुपोषित बच्चों का न्यूट्रीशन कराएंगे जिले के अधिकारी

ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट से निपटने तैयारी करें, बगैर अनुमति के होर्डिंग हटाएं: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा

जिले में अतिकुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिये विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह अधिकारी अतिकुपोषित बच्चों के माता पिता से सम्पर्क करेंगे एवं उनके उचित न्यूट्रीशन के लिये कार्य करेंगे। अधिकारियों द्वारा इन बच्चों के लिये फुड बास्केट भी प्रदान की जाएगी।

सोमवार को आयोजित समयावधि अंकित पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने जिले के समस्त अधिकारियों से उक्त बच्चों की नियमित देखरेख एवं उचित न्यूट्रीशन प्रदान करने के लिये कार्य करने की अपेक्षा की। जनगणना 2027 के कार्यों की समीक्षा करते हुए बैठक में कलेक्टर ने मकानों की नम्बरिंग का कार्य पूरी गंभीरता से किये जाने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का अत्यंत जिम्मेदारी का कार्य है। इसमें कोई लापरवाही नहीं की जाए। मकान नम्बरिंग का कार्य उचित तरीके से हो, इसके लिये मैदानी अमलों को प्रशिक्षित भी किया जाए। बैठक में उन्होने ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल संकट की स्थिति से निपटने की अभी से तैयारी करने के विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। श्री जैन ने कहा कि जहाँ जरूरत है वहां निजी जल स्त्रोतों का भी अधिग्रहण किया जाए। जिले के नगरीय क्षेत्रों में बगैर अनुमति के लगे होर्डिंग हटाने के भी बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देश दिये गये। मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा गया कि ऐसे होर्डिंग लगाने वालों के विरूद्ध सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, राजस्व वसूली एवं संकल्प से समाधान योजना की भी कलेक्टर द्वारा समीक्षा की गई।

एसडीएम नियमित समीक्षा करें

जिले में 14 वर्ष की बालिकाओं के लिये सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिये लगाये जा रहे एचपीवी वेक्सीन डोज की प्रगति की भी बैठक में कलेक्टर ने समीक्षा की। उन्होने कहा कि समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी संबंधित सीईओ जनपद पंचायत के साथ अभियान के तहत लगाई जा रही वेक्सीन के कार्य की प्रतिदिन समीक्षा करें। उन्होने कहा कि इस अभियान में कोई भी 14 वर्ष की उम्र की बालिका वेक्सीन से न छूटे इस बात का ध्यान रखा जाए।

ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल व्यवस्था संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

ग्रीष्मकाल में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम का दूरभाष है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ने ग्रामीण क्षेत्रों में हेण्डपम्प व नल जल योजना बंद होने की सूचना संबंधी शिकायत दर्ज कराने के लिये प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक के लिये अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। जारी आदेश अनुसार अनुरेखक अशोक कुमार सावनेर को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी नियुक्त किया गया है। नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को पंजी में दर्ज करने एवं निराकरण हेतु सहायक यंत्री व उपयंत्री को अवगत कराने हेतु बिल वितरक संतोष जोशी व हैंडपंप तकनीशियन विजय बेन की ड्यूटी लगाई गई है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि इसके अतिरिक्त विकासखण्डों में पदस्थ सहायक यंत्री व उपयंत्री के मोबाइल नम्बर पर भी संबंधित उपखण्डों की शिकायत अथवा सुझाव दिये जा सकते है। इस हेतु प्रभारी सहायक यंत्री संगीता धापकरी, उपयंत्री हरदा ज्योति महोबिया, उपयंत्री खिरकिया उमेश धुर्वे तथा उपयंत्री टिमरनी कार्तिक यादव के मोबाइल नम्बर पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। इसके अलावा रविवार व अन्य अवकाश के दिनों में नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को पंजी में दर्ज करने तथा निराकरण हेतु सहायक यंत्री व उपयंत्री को अवगत कराने के लिये प्रत्येक शनिवार को राकेश चौधरी तथा प्रत्येक रविवार को गौरव बारिया की ड्यूटी लगाई गई है।

कांग्रेस के नेतृत्व में ज्ञापन दिया

गलत गिरदावरी प्रविष्टियों से किसान परेशान हो रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा

जिले में किसान अपनी चना, गेहूं और सरसों की फसलों की गलत गिरदावरी प्रविष्टियों से खासे परेशान हैं। पटवारियों की लापरवाही के कारण खसरों में फसलें गलत दर्ज हो गई हैं, जिससे किसानों को उपज पंजीयन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने खाद्य कार्यालय पहुंचकर इस बड़ी गड़बड़ी के खिलाफ अपनी आवाज उठाई और पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च से बढ़ाकर 15 मार्च करने की मांग की।पंजीयन कराने पहुंच रहे कई किसानों ने बताया कि खेतों में उनके द्वारा चने की फसल बोई गई थी, लेकिन पटवारियों ने लापरवाही बरतते हुए उसे खसरे में गेहूं दर्ज कर दिया है। इस समस्या के चलते किसान अपना खेती-किसानी का काम छोड़कर दिनभर जिला कलेक्टर कार्यालय और पटवारियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। रन्हाई के किसान रविशंकर शर्मा सहित सैकड़ों अन्य किसान भी रोज ऐसी ही परेशानियों का सामना कर रहे हैं। सोमवार को खाद्य कार्यालय में 50 से अधिक किसान पंजीयन में सुधार के लिए आवेदन दे रहे थे। इन्हीं में बरखेड़ी के 70 वर्षीय किसान सत्यनारायण गौर भी अपनी गलत प्रविष्टियां सुधरवाने पहुंचे थे। खाद्य कार्यालय के अधिकारी ने बुजुर्ग किसान से पटवारी से गिरदावरी सुधार की रिपोर्ट वाट्सएप पर मंगवाने को कहा। बुजुर्ग किसान के पास कीपैड वाला छोटा मोबाइल था, इसलिए उन्हें परेशानी हुई। जब उनकी पटवारी से फोन पर बात कराई गई, तो पटवारी ने किसान की मदद करने के बजाय उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। किसानों के साथ पहुंचे जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई ने जिला कलेक्टर से संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देशित कर व्यवस्था सुधारने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजीयन की अंतिम तिथि 7 मार्च है, जबकि सैकड़ों किसानों का डेटा अब तक गलत है। सरकार को इसे बढ़ाकर 15 मार्च तक करना चाहिए। यदि किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और अधिकारियों की होगी।

तीन दिवसीय किड्स टैलेंट फेस्टिवल का समापन, माताओं ने बिखेरा हुनर का रंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा

शहर के शिवानुजा प्ले स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय किड्स टैलेंट फेस्टिवल का तीसरा एवं अंतिम दिन हर्ष, उल्लास और रंगोत्सव के माहौल में सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिंधु सभा की अध्यक्ष साधना हाशानी तथा ब्यूटीशियन समाजसेवी नम्रता ठाकुर उपस्थित रहीं। फेस्टिवल के अंतिम दिन बच्चों के साथ उनकी माताएं भी विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुईं। विद्यालय परिसर स्थित गार्डन में माताओं के लिए विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें उन्होंने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। बच्चों के साथ माताओं की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को पारिवारिक उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। विद्यालय की डायरेक्टर विभूति गौर ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में बच्चों ने नृत्य, खेल एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया। समापन दिवस पर माताओं ने भी मंच पर अपनी कला और उत्साह का परिचय देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। समारोह के अंत में सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और होली के गीतों पर सामूहिक नृत्य कर आनंदोत्सव मनाया। मुख्य अतिथियों ने बच्चों तथा उनकी माताओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और ऐसे आयोजनों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर स्वाती विश्वकर्मा, वंशिका हाशानी, संस्था की वाइस प्रिंसिपल समीक्षा त्यागी, सुधा ठाडा, ऋतु राजपूत, भावना वर्मा, माधुरी शर्मा उपस्थित रहीं। तीन दिवसीय यह बाल प्रतिभा महोत्सव उत्साह, रचनात्मकता और पारिवारिक सहभागिता का सुंदर उदाहरण बनकर सभी के लिए अविस्मरणीय स्मृति छोड़ गया। विजेताओं में शिवप्रिया रघुवंशी, सरला बरगुल, अर्चना जाट, सलोनी सादानी, वर्षाली बडोदिया, मोनिका बिश्नोई, शिवानी ठाकुर, सुषमा तिवारी, मोनिका सुरागे, ज्योति ओनकर और रेनुका जाट शामिल रही।

आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया, आंदोलन की चेतावनी

न्यूनतम वेतन, नियमित मानदेय, लंबित प्रोत्साहन राशि का भुगतान, 10 वर्ष की सेवा के बाद नियमितीकरण मांगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदा

सोमवार को जिलेभर की आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम अशोक डेहरिया को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने न्यूनतम वेतन, नियमित मानदेय, लंबित प्रोत्साहन राशि का भुगतान, 10 वर्ष की सेवा के बाद नियमितीकरण, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, ग्रेच्युटी, मोबाइल-डेटा सुविधा और कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था जैसी प्रमुख मांगें उठाईं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ होने के बावजूद उन्हें समय पर पूरा भुगतान और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। आशा कार्यकर्ता संघ की कार्यकारी जिलाध्यक्ष कौशल्या पाल ने बताया कि वर्ष 2005 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की स्थापना के बाद से आशा एवं आशा पर्यवेक्षकों ने मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, टीकाकरण, परिवार नियोजन, कुपोषण नियंत्रण और संक्रामक रोगों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता दूर-दराज के गांवों और शहरी झुग्गी बस्तियों में भी 24 घंटे सेवाएं दे रही हैं।

कौशल्या पाल ने कहा कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद प्रोत्साहन राशि का भुगतान महीनों तक लंबित रहता है या अधूरा किया जाता है। त्योहारों के समय भी कार्यकर्ताओं को अपने ही पैसे के लिए संघर्ष करना पड़ता है, जिससे आर्थिक परेशानियां बढ़ रही हैं। ज्ञापन में केंद्र सरकार द्वारा जारी 1500 रुपए की राशि का भुगतान, राज्य शासन द्वारा घोषित 1000 रुपए की वार्षिक वृद्धि लागू करने और वर्ष 2025 के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अनुसार राशि लागू करने की मांग की गई है। साथ ही राज्य शासन की घोषणा क्रमांक सी-2585 और एनएचएम आदेश क्रमांक 14299 के अनुसार 15000 रुपए के स्थान पर केवल 12000 रुपए दिए जाने की विसंगति दूर करने की मांग भी रखी गई।

भुगतान पर जोर

कार्यकर्ताओं ने 10 वर्ष का अनुभव रखने वाली आशा कार्यकर्ताओं का नियमितीकरण करने, हर माह की 5 तारीख तक नियमित एवं पूर्ण भुगतान सुनिश्चित करने और रोकी गई राशि या बजट की स्थिति की स्पष्ट जानकारी देने की मांग की है। इसके साथ ही केंद्र और राज्य अंश का एक साथ भुगतान सुनिश्चित करने तथा भुगतान की स्पष्ट पे-स्लिप देने की मांग भी शामिल है। ज्ञापन में टीम बेस्ड इंसेंटिव का तत्काल भुगतान करने और आशा पर्यवेक्षकों को इसमें शामिल करने, अनाबद्ध राशि 10 हजार रुपए का भुगतान, रिकॉर्ड संधारण के लिए फंड उपलब्ध कराने और आस्था वेलफेयर स्कीम के तहत शिक्षा प्रोत्साहन राशि देने की मांग की गई है। साथ ही कार्यस्थल पर होने वाली हिंसा के लिए कमेटी गठन और सर्टिफिकेशन पास करने पर 5 हजार रुपए की राशि देने की बात भी रखी गई।

संसाधनों की कमी का मुद्दा

आशा कार्यकर्ताओं ने ऑनलाइन कार्य के लिए मोबाइल, सिम और डेटा पैक उपलब्ध कराने, क्षेत्र की जरूरत के अनुसार दवाइयां और अन्य संसाधन देने तथा आवश्यक फॉर्म, पत्रक और आईईसी सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि इन सामग्रियों पर उन्हें 200 से 500 रुपए तक स्वयं खर्च करना पड़ता है। कार्यकर्ताओं ने बताया कि लुफढ क्लिनिक में गर्भवती महिलाओं के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं है, समय पर रजिस्ट्रेशन और वाहन सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो पाती। इससे महिलाएं फॉलोअप के लिए नहीं पहुंचतीं और इसका खामियाजा आशा कार्यकर्ताओं को डांट और प्रेरक राशि रुकने के रूप में भुगतना पड़ता है। आशा कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से शासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो वे आगे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगी।

19 दिसंबर 2025 से 25 फरवरी 2026 के बीच 66 मामले दर्ज हुए

अवैध खनन पर विभाग सख्त:66 मामलों में 23 लाख से अधिक की वसूली, कई उपकरण जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीहोर जिले में अवैध रेत खनन के खिलाफ खनिज विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसके बावजूद अवैध खनन के मामले सामने आ रहे हैं। 19 दिसंबर 2025 से 25 फरवरी 2026 के बीच विभाग ने 66 मामले दर्ज किए। इन मामलों में कुल 24 लाख 36 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसमें से करीब 23 लाख 75 हजार रुपये की वसूली हो चुकी है। इस दौरान 53 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 2 डंपर, 7 जेसीबी और अन्य मशीनें जब्त की गईं।

सैकड़ों वाहन और मशीनें जब्त, संवेदनशील क्षेत्रों में सख्त निगरानी : खनिज विभाग ने बताया कि जिले में खनिज राजस्व वसूली और अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण को रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल 2025 से 18 दिसंबर 2025 तक अवैध खनिज परिवहन, उत्खनन और भंडारण के 306 मामले दर्ज किए गए थे।

इन मामलों में लगभग 1 करोड़ 27 लाख 18 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया और 1 करोड़ 26 लाख 57 हजार रुपये की वसूली की गई। इस दौरान 218 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 43 डंपर, 6 पोकलेन, 22 जेसीबी, पनडुब्बी, लोडर और अन्य उपकरण जब्त किए गए।

अवैध उत्खनन और परिवहन को पूरी तरह रोकने के लिए राजस्व, पुलिस, खनिज और परिवहन विभाग मिलकर लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। संवेदनशील इलाकों में नियमित जांच की जा रही है ताकि खनिज गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

मार्च की शुरुआत गर्म : फरवरी में लगातार बदला मौसम, बारिश और गर्मी का असर रहा, अब तापमान बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले में मार्च महीने की शुरुआत तेज गर्मी के साथ हुई है। रविवार सुबह से ही मौसम साफ रहा और तेज धूप निकलने से लोगों को दिन में गर्मी का अहसास हुआ। यह बदलाव फरवरी के अंत में हुई बारिश के बाद देखने को मिला है। फरवरी महीने में मौसम कई बार बदला। पहले सप्ताह में घना कोहरा छाया रहा, दूसरे सप्ताह में ठंड बढ़ी और तीसरे सप्ताह के आखिर में तीन दिनों तक रुक-रुक कर बारिश हुई, जिससे मौसम में बड़ा परिवर्तन आया। इस समय गेहूं और चने की कटाई का दौर चल रहा है। फरवरी के अंतिम दिनों में हुई बारिश से किसानों को परेशानी हुई, क्योंकि कई जगह कटी हुई फसल भीग गई थी। अब किसान फसलों को धूप में सुखाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि नुकसान कम हो सके।

शासकीय कृषि कॉलेज स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. ए.एस. तोमर ने बताया कि मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और हवाओं की बदलती दिशा के कारण हो रहा है। उनका अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रह सकता है। पिछले दिनों में न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ा है। 20 फरवरी को 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो 1 मार्च तक बढ़कर 22 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इससे साफ है कि अब ठंड कम हो रही है और गर्मी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है।

धनगर समाज में मौत पर बर्तन पतासे बांटने की प्रथा बंद

सीहोर। होली पर धनगर गडरिया समाज ने सामाजिक सुधार का फैसला लिया। समाज ने मृत्यु के बाद होली पर बर्तन, पतासे, दूसरी सामग्री देने की कुप्रथा पूरी तरह बंद करने की घोषणा की। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिलेगी। समाज के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और कार्यालय प्रभारी मधुसूदन धनगर ने बताया कि मालवा क्षेत्र में वर्षों से यह परंपरा चल रही थी। किसी परिवार में मृत्यु होने पर शोकग्रस्त परिवार रिश्तेदारों, समाजजनों को बर्तन, पतासे, दूसरी सामग्री बांटता था। समय के साथ यह परंपरा सामाजिक दबाव बन गई। कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा। शोक के समय सहानुभूति, सहयोग की जरूरत रहती है। यह प्रथा परिवार को आर्थिक तनाव में डाल देती थी। उन्होंने कहा कि समाज के कई जागरूक गांवों में यह कुप्रथा पहले ही बंद हो चुकी है।